डॉ0 धन सिंह रावत
मंत्री
विद्यालयी शिक्षा, संस्कृत शिक्षा,
उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा
एवं सहकारिता

उत्तराखण्ड सरकार

विधान सभा भवन
कक्ष संख्या : 20
फोन : 0135–2666411
Email-ministeroffice2022@gmail.com

स्वतंत्रता दिवस संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, सम्मानित शिक्षक साथियों, प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य, शिक्षा विभाग के सभी अधिकारी, कर्मचारी, अभिभावकगण, सम्मानित जनसमुदाय आप सभी को 80वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ।

देश की स्वाधीनता के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले उन अमर वीरों को हम कोटि–कोटि नमन करते हैं, जिनके अदम्य साहस, अथक संघर्ष और महान बलिदान से हमें स्वतंत्रता मिली। उनके त्याग की अमिट गाथा राष्ट्र की स्मृति में सदैव दीपशिखा की भाँति प्रज्वलित रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को मातृभूमि के प्रति समर्पण, कर्तव्य और देशभक्ति की प्रेरणा देती रहेगी। हमारा दायित्व है कि अपने स्वतंत्र वीरों की अभिलाषा के अनुरूप हम एक सशक्त, शिक्षित, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

प्रदेश/देश के विकास की गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला है। राज्य सरकार प्रत्येक बच्चे को उसकी क्षमता, प्रतिभा और रुचि के अनुरूप समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर सीखने का वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी उद्देश्य से राज्य में विद्यालयी शिक्षा के अन्तर्गत अनेक महत्वपूर्ण सुधार एवं नवाचार किए जा रहे हैं।

शिक्षण अधिगम के लक्ष्य की पूर्ति हेतु राज्य सरकार ने विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रिक्त पदों पर शिक्षकों की तैनाती की है।

राज्य का कोई भी बच्चा संसाधनों की कमी के कारण विद्यालयी शिक्षा से वंचित न रहे इसके लिए राजकीय एवं राजकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा 1 से 12वीं तक विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य–पुस्तकें एवं कापियॉ उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रारम्भिक स्तर पर विद्यार्थियों को निःशुल्क जूते एवं बैग तथा दिव्यांग विद्यार्थियों को आवश्यक सहायक उपकरण एवं सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। मेधावी विद्यार्थियों विशेषकर जो आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों के लिए मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना संचालित है जिसने उन्हें अपनी पढ़ाई न केवल जारी रखने अपितु अन्य शैक्षिक सहयोग प्राप्त करने का साधन प्रदान किया है।

हमारे प्रयास यह हैं कि बच्चे केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि वे देश, समाज, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विश्व को व्यापक दृष्टिकोण से समझें। इसी उद्देश्य से मेधावी विद्यार्थियों को भारत भ्रमण कार्यक्रम के माध्यम से देश के इसरो जैसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थानों, ऐतिहासिक स्थलों एवं ख्याति प्राप्त संस्थाओं को देखने और समझने का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

हमारे विद्यार्थी वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार हो सकें, इसके लिए डिजिटल शिक्षा एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता को शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जा रहा है तथा शिक्षकों को चरणबद्ध रूप से इसके उपयोग के लिए प्रशिक्षित एवं उन्मुख किया जा रहा है।

शिक्षण को अधिक रोचक, संवादात्मक एवं विद्यार्थी–केंद्रित बनाने के लिए 1500 से अधिक विद्यालयों में स्मार्ट कक्षायें स्थापित की गयी हैं। आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस पर हमारे शिक्षकों को उच्च स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त हो, इसके लिए चरणबद्ध ढ़ंग से आई0आईटी0 जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के माध्यम से शिक्षकों को प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर दिया जा रहा है। डिजिटल शिक्षा विद्यार्थियों को निःशुल्क ऑनलाइन घर पर मिल सके, इसके लिए राज्य में कक्षा 1 से 12 तक के लिए 5 समर्पित शैक्षिक चैनलों के माध्यम से 24×7 आधार पर शिक्षण सामग्री प्रसारित की जा रही है।

माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों को भविष्य के रोजगार एवं उद्यमिता के लिए तैयार करने के उद्देश्य से व्यावसायिक शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है तथा 558 विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा विभिन्न ट्रेडों में संचालित है। हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप कौशल अर्जित करे और भविष्य में आत्मनिर्भर बने।

हमारा उद्देश्य केवल बच्चों को विद्यालय तक पहुँचाना एवं पढ़ाना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि हर बच्चा विद्यालय में सीखे, आगे बढ़े और उसका सर्वांगीण विकास हो। इसके लिए विद्यालयों में बैगलेस डे/प्रतिभा दिवस की व्यवस्था की गयी है। हमारे युवा जो खेलों के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाना चाहते हैं उनके लिए प्रत्येक जनपद में खेल विशेष से सम्बन्धित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित करने की योजना पर कार्य प्रारंभ किया गया है, ताकि हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को संबंधित खेलों में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।

विद्यार्थियों को रूचिपूर्ण वातावरण में गुणवत्तापरक शिक्षा किस प्रकार दी जाय तथा शिक्षा में नवाचार अपनाने के लिए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक अभिलेख है। राज्य में इसके अनुरूप एस0सी0ई0आर0टी0 द्वारा राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेख तैयार की गयी है तथा तद्नुरूप चरणबद्ध ढ़ंग से पाठ्य–पुस्तकों के विकास की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। अब आवश्यकता है हमारे शिक्षक इसके अनुरूप स्वयं को अपडेट करें। हमारे शिक्षकों का अधिक समय विद्यालयों में बच्चों को मिल सके इसके लिए शिक्षकों के क्षमता–वृद्धि से सम्बन्धित प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण (MOOCs) श्रृंखला प्रारम्भ की गयी है। इसके अतिरिक्त शिक्षा के क्षेत्र में सभी अधिकारियों, संस्थाध्यक्षों, शिक्षकों एवं कार्मिकों के क्षमता संवर्द्धन हेतु मिशन कर्मयोगी के अन्तर्गत ऑनलाइन प्रशिक्षण उपलब्ध हैं। मुझे यह बताते हुए बड़ी खुशी है कि उक्त प्रशिक्षणों में उत्साहजनक प्रतिभागिता रही है। मिशन कर्मयोगी में तो हमारी प्रतिभागिता से हमारा राज्य देश के प्रथम तीन राज्यों में रहा है।

हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि उत्तराखण्ड को देश के पूर्ण साक्षर राज्यों में स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि हमारे शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों, स्वयंसेवकों, स्थानीय समुदाय और शिक्षा विभाग के प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। इसी प्रकार, नवाचार के रूप में हमारे राज्य ने वैश्विक स्तर पर भी एक उपलब्धि हासिल की है। यूनेस्को ने **'ए0आई0 फॉर एजुकेशन एवार्ड 2026'** श्रेणी में हमारे कार्यक्रम **'विल्डिंग फ्यूचर रेडी टीचर थ्रू ए0आई0'** को विश्व के छह उत्कृष्ट वैश्विक प्रोजेक्ट्स में स्थान दिया है। यह उपलब्धियॉ शिक्षा के क्षेत्र में हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

यह सर्व विदित है कि विद्यार्थी केवल विद्यालय में ही नहीं सीखता है अपितु उसे शिक्षा घर परिवार एवं समाज से भी मिलती है और हमारा समाज भी इस बात से परिचित है इसलिए विद्यालयों में समुदाय का सहयोग हमें निरंतर प्राप्त होता रहा है। अब आवश्यकता है कि इस सहयोग को और अधिक सार्थक, व्यवस्थित एवं परिणामपरक जनभागीदारी में परिवर्तित किया जाए, ताकि बच्चों के सीखने के परिणाम और अधिक बेहतर हो सकें।

इस अवसर पर मैं आप सभी का ध्यान हमारे सामने खड़ी एक गंभीर और बड़ी चुनौती की ओर आकर्षित करना आवश्यक समझता हूँ और वह चुनौती है **हमारे युवाओं में नैतिक एवं जीवन–मूल्य विकसित करना**। आज आवश्यकता केवल शिक्षा देने की नहीं, बल्कि हमारे बच्चों को सही दिशा, उचित संस्कार और स्वस्थ जीवन–दृष्टि प्रदान करने की भी है। विशेष रूप से हमें अपने विद्यालयों और विद्यार्थियों को नशे जैसी विनाशकारी प्रवृत्तियों से दूर रखने के लिए निरंतर और सजग प्रयास करने होंगे। यह दायित्व केवल विद्यालय का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। इसके लिए विद्यालय परिवार, अभिभावकों और समुदाय को एकजुट होकर कार्य करना होगा। हमें अपने बच्चों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना होगा, उनकी भावनाओं और चुनौतियों को समझना होगा तथा उन्हें ऐसा सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण देना होगा, जहाँ वे आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य की ओर बढ़ सकें।।

प्यारे विद्यार्थियों, आप उत्तराखण्ड और भारत का भविष्य हो। आने वाले समय में आपके द्वारा राज्य एवं देश का नेतृत्व किया जायेगा, हमारे वैज्ञानिक प्रतिष्ठान, प्रशासनिक इकाईयॉ, विद्यालय आदि आपके ज्ञान से संचालित होंगे। इसलिए बड़े सपने देखिए, निरंतर सीखिए, प्रश्न पूछिए, नई चीजों को जानने का प्रयास कीजिए और अपने ज्ञान एवं प्रतिभा का यथाशक्ति उपयोग कर स्वयं को इसके लिए तैयार करें।

मैं इस अवसर पर सभी अधिकारियों, प्राचार्यों, प्रधानाचार्यों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अभिभावकों और समुदाय के सभी सदस्यों का आह्वान करता हूँ कि हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हमारे विद्यालय केवल शिक्षण के केंद्र न रहें, बल्कि ज्ञान, नवाचार, कौशल, संस्कार और प्रतिभा के उत्कृष्ट केंद्र बनें।

आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सब मिलकर संकल्प लें कि **"हर बच्चा सीखे, हर बच्चा आगे बढ़े, हमारा हर विद्यालय उत्कृष्ट बने और हम विकसित उत्तराखण्ड एवं आत्मनिर्भर विकसित भारत का हिस्सा बन सकें"।**

"जय हिन्द! जय भारत! जय उत्तराखण्ड!"

(डा0 धन सिंह रावत)